भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1022

दिनांक 04.03.2015/13 फाल्गुन, 1936 (शक) को उत्तर के लिए

पाकिस्तान/अफगानिस्तान से आए हिन्दु/सिख

1022. श्री अविनाश राय खन्ना :

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभिन्न भागों में रह रहे पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिन्दुओं/सिखों की राज्य-वार संख्या कितनी-कितनी है;

(ख) उनमें से कितने हिन्दुओं/सिखों ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया है;

(ग) उनके आवेदनों की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) क्या सरकार पाकिस्तान/अफगानिस्तान से आए हिन्दुओं/सिखों में से डाक्टरों और इंजीनियरों को देश में काम करने की अनुमति देने का विचार रखती है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और वे काम कैसे शुरु कर सकते हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री किरेन रिजिजू)

(क) : उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 31.12.2012 की स्थिति के अनुसार भारत में रह रहे पाकिस्तानी एवं अफगानी राष्ट्रिकों की राज्य-वार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।.

(ख) : वर्ष 2011 से फरवरी, 2015 तक कुल 1240 पाकिस्तानी राष्ट्रिकों और 1047 अफगानी राष्ट्रिकों ने भारतीय नागरिक्ता के लिए आवेदन दिया है।

(ग) : 1238 पाकिस्तानी राष्ट्रिकों और 468 अफगानी राष्ट्रिकोंको नागरिकता प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं।

(घ) : राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को दीर्घावधिक वीजा (एलटीवी) पर रह रहे पाकिस्तानी राष्ट्रिकों को पात्र श्रेणियों के अधीन पूर्ण रूप से निजी प्रकृति के रोजगार में स्वयं को शामिल करने, अर्थात् सरकारी/अर्ध-सरकारी, स्थानीय निकायों , सहकारी रोजगार आदि जैसे क्षेत्रों को छोड़कर, की अनुमति प्रदान करने का अधिकार प्राप्त है। सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के लिए दिनांक 15.12.2014 को इन अनुदेशों को दोहराया गया है। सरकार द्वारा अफगानी राष्ट्रिकों के संबंध में ऐसे कोई विशेष अनुदेश जारी नहीं किए गए हैं।

****

अनुलग्नक के पृष्ठ 1 का 1
राज्य सभा अता० प्र० सं० 1022

पाकिस्तान/अफगानिस्तान से आए हिन्दू/सिख के संबंध में राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1022 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दिनांक 31.12.2012 की स्थिति के अनुसार भारत में रह रहे पाकिस्तानी एवं अफगानिस्तानी राष्ट्रिकों की राज्य-वार संख्या

क्रम सं.	राज्य	पाकिस्तानी राष्ट्रिकों की संख्या	अफगानिस्तानी राष्ट्रिकों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	10	29
2.	असम	शून्य	18
3.	छतीसगढ़	1	शून्य
4.	गुजरात	43	4
5.	हरियाणा	160	819
6.	हिमाचल प्रदेश	शून्य	11
7.	जम्मू एवं कश्मीर	43	4
8.	कर्नाटक	21	शून्य
9.	केरल	7	शून्य
10.	मेघालय	शून्य	शून्य
11.	मिजोरम	शून्य	शून्य
12.	राजस्थान	1705	शून्य
13.	तेलंगाना	100	शून्य
14.	त्रिपुरा	शून्य	शून्य
15.	उत्तराखंड	50	15
16.	उत्तर प्रदेश	585	9
17.	पश्चिम बंगाल	52	2
18.	दादरा एवं नगर हवेली	2	शून्य
19.	दमण एवं दीव	शून्य	शून्य
20.	दिल्ली	239	शून्य

*****